मजीद गुलाबसाहेब सतारमेकर

अकादेमी पुरस्कार:
वाद्य निर्माण, महाराष्ट्र

श्री माजिद गुलाबसाहेब सातरमेकर का जन्म 5 जनवरी 1962 को हुआ था और वे मिराज, महाराष्ट्र में रहते हैं। आप शास्त्रीय संगीत वाद्य निर्माताओं के परिवार की पांचवीं पीढ़ी से ताल्लुक रखते हैं, जिसे फरीदसाहेब सत्तारमेकर ने स्थापित किया था। माजिद के बेटे अतीक ने परिवार के नक्शेकदम पर चलते हुए मिराज शिल्प कौशल को अब छठी पीढ़ी में आगे बढ़ाया है।

माजिद गुलाबसाहेब इस समय देश के जाने–माने वाद्य यंत्र बनाने वालों में शुमार हैं। पंडित ऋत्विक सान्याल, उस्ताद राशिद खान, पंडित अजय चक्रवर्ती, कंकणा बनर्जी, डागर गुरुकुल और कई अन्य प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा उनके वाद्यों का उपयोग किया गया है। आपको जापान, फ्रांस और मलेशिया में शिल्प कौशल के लिए सम्मानित किया गया है। आपको देश के विभिन्न हिस्सों में कई अवसरों पर तानपुरा वादक के रूप में संगत की है।

श्री माजिद गुलाबसाहेब सातरमेकर को वर्ष 2019 के महाराष्ट्र के वाद्य–निर्माण की कला में योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

MAJID GULABSAHEB SATARMAKER

Akademi Award:
Instrument-Making, Maharashtra

Shri Majid Gulabsaheb Satarmaker was born on 5 January 1962 and resides in Miraj, Maharashtra. He belongs to the fifth generation of a family of classical music instrument-makers which was established by Faridsaheb Satarmaker. The Miraj craftsmanship has now been introduced to the sixth generation with Majid's son Atik following in the family footsteps.

Majid Gulabsaheb is currently among the well-known instrument-makers in the country. His instruments have been used by renowned artists such as Pandit Ritwik Sanyal, Ustad Rashid Khan, Pandit Ajay Chakraborty, Kankana Banerjee, the Dagar Gurukul and many others. He has been honoured for his craftsmanship in Japan, France and Malaysia. He has also accompanied artists as tanpura player on many occasions in different parts of the country.

Shri Majid Gulabsaheb Satarmaker receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2019 for his contribution to the art of instrument-making (Maharashtra).